



भारत में राज्य/केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के लिए एसओपी

मेरी लाइफ पर वृक्षारोपण कार्यक्रमों का पंजीकरण और रिपोर्टिंग

पृष्ठभूमि

मेरी लाइफ प्लेटफॉर्म को भारत में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, यूनिसेफ और युवा द्वारा संयुक्त रूप से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए युवाओं के हरित कौशल, जलवायु संवेदनशीलता और नेतृत्व को निखारने के लिए एक डिजिटल नए मंच के रूप में बनाया गया है।

इस दस्तावेज़ का उद्देश्य भारत में राज्य और केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के लिए राष्ट्रीय मेरी लाइफ पोर्टल पर पंजीकरण करने और वृक्षारोपण घटनाओं की रिपोर्ट करने के लिए मानक प्रक्रिया स्थापित करना है।

इसके अलावा, एसओपी में निम्नलिखित बातों पर भी प्रकाश डाला जाएगा:

- वृक्षारोपण के लिए दिशा-निर्देश
- वृक्षारोपण की देखभाल और रखरखाव
- भारत में आमतौर पर लगाए जाने वाले पेड़ों का अवलोकन

भाग I

भारत में केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा वृक्षारोपण गतिविधियों की रिपोर्टिंग

1. सबसे पहले अपने ब्राउज़र पर <https://merilife.nic.in/> डालें।
2. ऊपरी दाएं कोने पर "Login" बटन पर क्लिक करें। क्या आपके पास मेरी लाइफ में साइन अप करने के लिए लॉगिन क्रेडेंशियल हैं? यदि नहीं, तो कृपया बिंदु 8 देखें।

The screenshot shows the Meri LIFE website interface. At the top, there are logos for the Ministry of Environment, G20 India 2023, Meri LIFE, the Government of India, and UNICEF. Below the logos, there is a navigation bar with links like 'Dashboard', 'About Us', 'Mission', 'Partners', 'Log In', 'Sign Up', 'Photo Gallery', and 'More'. A banner at the top reads: 'बहुमूल्य पर्यावरण संसाधनों के संरक्षण की दिशा में काम करने का संकल्प लें। आइए हम प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर रहें और' (Take the commitment to work towards the conservation of valuable environmental resources. Let's live in harmony with nature and). Below the banner, there are four images: a group of people planting a tree, a man in a white shirt planting a tree, a group of people planting a tree, and a cartoon illustration of a woman and children planting a tree. At the bottom, there is a text box that says: 'विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून, 2024 के अवसर पर माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा #एक_पेड़_माँ_के_नाम #Plant4Mother अभियान का टेक्स्ट और वीडियो' (On the occasion of World Environment Day, 5 June, 2024, the Honorable Prime Minister Shri Narendra Modi launched the #Plant4Mother campaign with a text and video). Below this, there is a text box that says: 'खने के लिए यहां क्लिक करें।' (Click here to download).



3. Login पर क्लिक करने के बाद “Central/State Ministry/Departments” विकल्प चुनें।

Meri LIFE Lifestyle for Environment

75 Azadi Ka Amrit Mahotsav

वीडियो कॉन्फ्रेंस लिंक

Hindi

unicef for every child

Powered by Google Translate

डैशबोर्ड घर के बारे में मिशन जीवन सहायता लॉग इन करें व्यवस्थापक फोटो गैलरी मदद

केंद्रीय/राज्य मंत्रालय/विभाग क्षेत्रीय कार्यालय व्यक्तियों अन्य हितधारक

लॉग इन करें

लॉगिन के लिए अपना विवरण दर्ज करें

उपयोगकर्ता नाम *

admin@merilife.org

पासवर्ड *

.....

लॉग इन करें

- अब, अपने संबंधित मंत्रालय द्वारा दिए गए लॉगिन क्रेडेंशियल दर्ज करें।
- यदि आप अपने मंत्रालय के लिए नोडल अधिकारी हैं, तो कृपया नीचे दिए गए अनुभाग 'वृक्षारोपण फॉर्म कैसे भरें' देखें और आगे बढ़ें।
- अगला, यदि आप एक नोडल अधिकारी हैं, तो आगे बढ़ें; यदि नहीं, तो ऊपरी दाएं कोने पर 'Ministry' पर क्लिक करें, और फिर 'Create Nodal Officer' पर क्लिक करें।
- अब, Institution Nodal Officer के सभी अनिवार्य फ़ील्ड भरें। उसे पोस्ट करें, कृपया Institution Nodal Officer के साथ क्रेडेंशियल साझा करें और उन्हें साइन इन करने के लिए कहें।
- यदि आपके पास क्रेडेंशियल नहीं है, तो कृपया 'Field Offices' अनुभाग के तहत लॉग इन करें और 'Don't have an account? Sign up?' पर क्लिक करें। यदि आपको सहायता की आवश्यकता है तो [इस वीडियो](#) में दिए गए चरणों का पालन करें।



Powered by Google Translate



मंत्रालय

मेरीलाइफ_moeffc

संस्था नोडल अधिकारी

संस्थान का चयन करें *

संस्थान का चयन करें

उपयोगकर्ता नाम *

उपयोगकर्ता नाम दर्ज करें

पासवर्ड *

पासवर्ड दर्ज करें

मेल पता *

ईमेल दर्ज करें

बनाए

वृक्षारोपण फॉर्म कैसे भरें:

1. अपने डैशबोर्ड पर, नीचे स्क्रॉल करें और 'Mission Life Action Report' और 'वृक्षारोपण' रेडियो बटन दूढ़ें।
2. अब, 'Mission Life Action Report' बटन के बगल में 'Tree Plantation' रेडियो बटन पर क्लिक करें।



Powered by Google Translate



मंत्रालय

मेरीलाइफ_moeffc

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय - डैशबोर्ड

WORLD ENVIRONMENT DAY

5 JUNE 2024

32
संस्थानों

764
क्षेत्रीय कार्यालय

2958
जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

12451
आयोजित कार्यक्रम

569291
प्रतिभागियों

450320
मिशन लाइफ के लिए ली गई प्रतिज्ञाएं

14602
वृक्षारोपण

55
वृक्षारोपण-आयोजन की संख्या

मिशन लाइफ एक्शन रिपोर्ट



वृक्षारोपण

संस्थान कार्रवाई रिपोर्ट

अनोखा ID	थीम का नाम	घटना का संक्षिप्त विवरण	कार्यक्रम का स्थान	ईवेंट का प्रकार	ईवेंट की संख्या	आयोजन की तिथि(तारीखें)	कार्यान्वयन का तरीका	तकनीकी हस्तक्षेप	प्रतिभागियों
			राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	जिले का नाम					आयु 10-19 वर्ष आयु 20-25 वर्ष
			IIFM भोपाल ने मिशन						



13. ये विवरण भरने के बाद आप डैशबोर्ड पर वृक्षारोपण रिपोर्ट देख पाएंगे।

भाग II

वृक्षारोपण अभियान #एक_पेड़_माँ_के_नाम #Plant4Mother के लिए दिशानिर्देश

- वृक्षारोपण के लिए पौधे प्राप्त करना: वृक्षारोपण पहल की सफलता सुनिश्चित करने के लिए, स्वस्थ और व्यवहार्य पौधे प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। पौधे यहां से प्राप्त किये जा सकते हैं:
 - वन विभाग की नर्सरी: इन नर्सरियों का प्रबंधन राज्य वन विभागों द्वारा किया जाता है और ये रियायती दरों पर कई तरह की देशी प्रजातियाँ प्रदान करती हैं। ये स्थानीय जलवायु और मिट्टी की स्थितियों के अनुकूल स्वस्थ पौधों के विश्वसनीय स्रोत हैं।
 - सामुदायिक नर्सरी: इन नर्सरियों का प्रबंधन स्थानीय समुदायों द्वारा किया जाता है और अक्सर सरकार या गैर सरकारी संगठनों की पहल से वित्त पोषित होती हैं। वे देशी प्रजातियों के उपयोग को बढ़ावा देते हैं और पौधों के प्रसार और वितरण में समुदाय को शामिल करते हैं।
- जगह का चुनाव: वृक्षारोपण के लिए सार्वजनिक पार्क, स्कूल और बंजर भूमि जैसे उपयुक्त स्थान चुनें। पर्याप्त धूप, उचित जल निकासी और पेड़ के बढ़ने के लिए पर्याप्त जगह वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें।
- देशी वृक्ष प्रजातियाँ: देशी वृक्ष प्रजातियाँ लगाने का विकल्प चुनें क्योंकि वे स्थानीय जलवायु के लिए अच्छी तरह से अनुकूलित हैं और क्षेत्र की जैव विविधता का समर्थन करते हैं। भारत में कुछ लोकप्रिय विकल्पों में नीम, बरगद, पीपल, आम और सागौन शामिल हैं।
- वृक्षारोपण का मौसम: भारत के अधिकांश भागों में वृक्षारोपण के लिए उचित समय मानसून का मौसम (जून से सितंबर) है। इस समय में पर्याप्त वर्षा होती है, जो नए लगाए गए पेड़ों की नींव को मज़बूत करने और उनकी बढ़ोतरी में मदद करती है।
- उचित रोपण तकनीक: उचित रोपण तकनीकों का पालन करें यह सुनिश्चित करने के लिए कि पेड़ की जड़ अच्छी तरह से जम चुकी है और रोपण के दौरान उसे कोई नुकसान तो नहीं हुआ है। पेड़ों के पूर्ण विकास के लिए उनके बीच पर्याप्त दूरी बनाए रखी जानी चाहिए।

भाग - III

वृक्षारोपण की देखभाल और रखरखाव

- पानी देना: खास तौर पर पहले साल के दौरान नए लगाए गए पेड़ों को नियमित रूप से पानी दें। अत्यधिक पानी देने और कम पानी देने दोनों से बचते हुए संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण है।
- मल्लिङ्ग: नमी को संरक्षित करने, मिट्टी के तापमान को नियंत्रित करने, खरपतवार की वृद्धि को रोकने और आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने के लिए पेड़ के आधार के चारों ओर जैविक मल्लिङ्ग लगाएं। यह अभ्यास पेड़ के समग्र स्वास्थ्य में सुधार करता है और पानी की आवश्यकताओं को कम करता है।
- छंटाई: मरी हुई या रोगग्रस्त शाखाओं को हटाने, उचित आकार बनाए रखने और उनकी प्राकृतिक बनावट को बढ़ाने के लिए पेड़ों की आवश्यकतानुसार छंटाई करें। छंटाई स्वस्थ विकास को भी बढ़ावा देती है और संभावित खतरों के जोखिम को कम करती है।

भाग - IV

भारत में आमतौर पर लगाए जाने वाले पेड़ों का संक्षिप्त विवरण



नाम	विवरण	पौधे का चित्र
बरगद (फ़िकस बेंघालेंसिस)	बरगद का पेड़ अपनी आसमानी जड़ों के लिए प्रसिद्ध है जो इसकी शाखाओं से निकलकर अतिरिक्त तने बनाती हैं। इसे हिंदू धर्म में पवित्र माना जाता है और यह अक्सर समुदायों के लिए एक सभा स्थल के रूप में कार्य करता है।	
नीम (अज़ादिराच्चा इंडिका)	नीम अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है और इसे अक्सर "ग्राम फार्मसी" कहा जाता है। इसकी पत्तियों, छाल और तेल का पारंपरिक चिकित्सा में कई उपयोग हैं।	
पीपल (फ़िकस रिलिजिओसा)	हिंदू धर्म में एक और पवित्र पेड़, पीपल का पेड़ अक्सर आध्यात्मिक और धार्मिक प्रथाओं से जुड़ा होता है। यह अपने हृदय के आकार के पत्तों के लिए जाना जाता है।	
सागौन (टेक्टोना ग्रैंडिस)	सागौन की लकड़ी को फर्नीचर और निर्माण में इस्तेमाल की जाने वाली उच्च गुणवत्ता वाली बेशकीमती लकड़ी के लिए माना जाता है। यह अपनी टिकाऊपन और खराब न होने वाले गुण के लिए जाना जाता है।	



जामुन (सिज़ीगियम क्यूमिनी)	जामुन का पेड़ मीठे और तीखे बैंगनी रंग के फल देता है, जिसका इस्तेमाल अक्सर भारतीय व्यंजनों और पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। यह खासकर मधुमेह के प्रबंधन में अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है।	
महोगनी (स्विएटेनिया महागोनी)	महोगनी को उसकी बढ़िया लकड़ी के लिए महत्व दिया जाता है, जिसका उपयोग फर्नीचर बनाने और नाव बनाने में किया जाता है। यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सहित भारत के कुछ हिस्सों में पाया जाता है।	
चंदन (संतालुम एल्बम)	चंदन अपनी सुगंधित हार्टवुड के लिए प्रसिद्ध है, जिसका उपयोग इत्र, अगरबत्ती और धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता है। यह मुख्यतः दक्षिण भारत में पाया जाता है।	



भारतीय रोज़वुड (डालबर्जिया सिस्सू)	भारतीय रोज़वुड, या शीशम, अपनी बेशकीमती मज़बूत लकड़ी के लिए जाना जाता है, जिसका उपयोग आमतौर पर फर्नीचर और संगीत वाद्ययंत्रों में किया जाता है।	
भारतीय मूंगा वृक्ष (एरिथ्रिना वेरिएगाटा)	अपने आकर्षक लाल फूलों के लिए जाना जाने वाला यह पेड़ मूल रूप से भारत का है और इसका सांस्कृतिक महत्व है। इसकी लकड़ी का उपयोग परंपरागत लकड़ी की कारीगरी में किया जाता है।	
भारतीय करौदा आंवला (एम्ब्लिका ऑफिसिनेलिस)	आंवले के पेड़ में छोटे, हरे फल लगते हैं जो अपनी उच्च विटामिन सी सामग्री के लिए जाने जाते हैं। आंवला का उपयोग विभिन्न पाक (रसोई) और दवाईयां बनाने में किया जाता है।	



भारतीय बीच (पोंगामिया पिन्नाटा)	इस पेड़ से तिलहन प्राप्त होता है जिसका उपयोग बायोडीजल उत्पादन और पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। इसे भारत के कई क्षेत्रों में उगाया जाता है।	
भारतीय एल्म (होलोएलिया इंटीग्रिफोलिया)	भारतीय एल्म या चिलबिल के नाम से भी जाना जाने वाला यह पेड़ अपनी लकड़ी के लिए प्रसिद्ध है और कुछ क्षेत्रों में इसका सांस्कृतिक महत्व है।	
साल (शोरिया रोबस्टा)	साल भारतीय उपमहाद्वीप का एक प्रमुख वृक्ष है और इसका उपयोग लकड़ी और राल के लिए किया जाता है। इसे अक्सर हिंदू रीति-रिवाजों और मान्यताओं से जोड़ा जाता है।	



भारतीय महुआ (मधुका लॉगिफोलिया)	महुआ का पेड़ खाने योग्य फूल और बीज पैदा करता है। आदिवासी समुदायों में महुआ आधारित उत्पादों का सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व है।	
--------------------------------------	--	--

Source:

- Tree Plantation in India. Grow Billion Trees. (n.d.). <https://growbilliontrees.com/pages/tree-plantation-in-india>